सफलता की कहानी

किसान का नाम – बनबिहारी महतो
ग्राम – पीपला
पंचायत – बड़ाबांकी
प्रखण्ड – जमशेदपुर

बनबिहारी महतो जमशेदपुर का प्रगतिशील किसान है। ये मैट्रिक तक पढ़े हैं। इन्होंने पढ़ाई करने के उपरांत खेती को ही अपना जीवीकोपार्जन बनाया।

बनबिहारी महतो का जो पुस्तैनी जमीन है जो लगभग 3 एकड़ है विगत कई वर्षों से सिर्फ एक ही मौसम में मात्र धान का खेती किया जाता था। सिंचाई का साधन एवं उन्नत तकनीक नहीं होने के कारण सिर्फ खरीफ मौसम में धान के अलावे अन्य कोई बागवानी फसल का खेती नहीं के बराबर कर पाते है। जिससे उनको आमदनी भी बहुत कम होता था।

वर्त्तमान में बनबिहारी महतो पंरपारिक विधि को छोड़कर नई तकनीक विधि से खेती करना शुरू किया है। उन्होंने अपने पुस्तैनी जमीन पर तो खेती करते ही है साथ ही अन्य नजदीकी गाँव डोभापानी में लगभग 5 एकड़ जमीन लीज में लेकर उसमें नई तकनीक से सब्जी खेती की शुरूआत की। इनके द्वारा गाँठ गोभी, पपीता, ग्राफ्टींग विधि से बैंगन और टमाटर की खेती किया जा रहा है। साथ ही बिचड़ा से पौधा उत्पादन के लिए विभिन्न फसलों का नर्सरी भी बनाएं हुए है। इसके साथ–साथ बतख पालन भी कर रहे हैं। इनके पास 70 की संख्या में बत्तख है।

बनबिहारी महतो सुक्ष्म सिंचाई पद्धति से सिंचाई का कार्य कर रहे हैं। कृषि विभाग पूर्वी सिंहभूम से प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत सुक्ष्म सिंचाई संरचना प्राप्त किये हैं एवं उद्यान विभाग से ग्रीन हाउस मिला है। जिसमें नर्सरी तैयार किये है। बनबिहारी महतो 14–15 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहें है। साथ ही आस–पास के किसानों को बेहतर कृषि तकनीक का प्रशिक्षण दे रहें हैं।

उत्पादित उत्पाद को स्थानीय बाजार एवं जमशेदपुर में बिक्री करते हैं जिससे उनका लगभग 3 से 3.50 लाख रूपये तक की आमदनी हो जाता है जिससे परिवार का भरण–पोषण अच्छे तरीके से हो रहा है।

झारखंड में पहली बार ग्राफ्टिंग विधि से एक किलो का बैगन

मनोज सिंह ● जमशेदपुर

एक किलो का एक बैगन। सुनकर आप आश्चर्य कर रहे होंगे, लेकिन यह है सच। जमशेदपुर के पिपला निवासी किसान बन बिहारी महतो ने अपने खेत में ग्राफ्टिंग विधि से नर्सरी में तैयार किए था पौधा। यह पौधा का खासियत यह है कि यह 10 फीट ऊंचा होगा और लगातार दो साल तक फल देगा।

बन बिहारी महतो के खेत से निकला 1006 ग्राम वजन का बैगन ● जागरण

कृषि वैज्ञानिक पहुंची बन बिहारी महतो के खेत, सराहा : बन बिहारी महतो के खेत में एक किलो का बैंगन उत्पादन होने की बात सुनकर क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र दारीसाईं की वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक आरती वीणा एक्का खुद बन बिहारी महतो के खेत पहुंच गई। दैनिक जागरण से बातचीत करते हुए कृषि वैज्ञानिक आरती वीणा एक्का ने बताया कि उन्होंने भी अब तक एक किलो का बैंगन नहीं देखा था। कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि नवकिरण वेरायटी का यह हाईब्रिड बैंगन है। उन्होंने बताया कि इस हाईब्रिड बैंगन का जड़ वाइल्ड रूट

खेत में पहुंची वरिष्ठ कृषि विज्ञानी आरती वीणा एक्का व बन बिहारी महतो ● जागरण

कि खाने में किसी प्रकार की कोई